

राष्ट्रपति  
भारत गणतंत्र  
PRESIDENT  
REPUBLIC OF INDIA

### संदेश

शिक्षक दिवस एक विशिष्ट अवसर है जब हम अपने शिक्षकों को सम्मानित करते हैं जो एक महानतम पेशे में कार्यरत हैं तथा जिनका धर्म ज्ञान प्रदान करना है।

शिक्षक विद्यार्थियों का भविष्य संवारते हैं तथा हमारी भावी पीढ़ियों को बुद्धि और विद्या प्रदान करते हैं। हमारी गुरु शिष्य परंपरा में शिक्षकों को अपना गूढ़तम ज्ञान विद्यार्थियों को प्रदान करने तथा उनमें अनुशासन, समर्पण और अपनी मातृभूमि की सेवा के प्रति निष्ठा की भावना भरने की अपेक्षा की गई है।

एक प्रेरित शिक्षक मूल्योन्मुख, मिशन प्रेरित, स्व-प्रोत्साहित तथा परिणामोन्मुख होता है। वह विद्यार्थियों के निजी लक्ष्यों को राष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ जोड़ता है तथा उनकी पूर्ण क्षमता की प्राप्ति में उनकी सहायता करता है।

अध्यापन को एक पेशे के रूप में समाज का सम्मान और मान्यता प्राप्त होनी चाहिए। शिक्षकों को यह अनुभव करवाया जाना चाहिए कि उनका योगदान तथा विद्यार्थियों के प्रति उनकी निष्ठा प्रशंसनीय है। हमारा परिवेश ऐसा होना चाहिए जो शिक्षकों के बीच रचनात्मकता को प्रोत्साहित करे तथा गुणवत्ता को मान्यता दे।

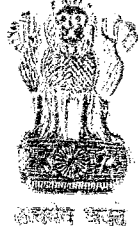
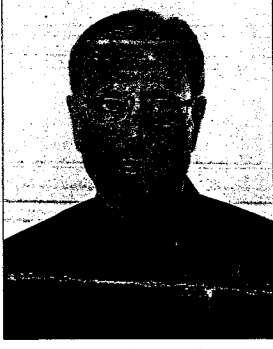
इस अवसर पर, मैं, देशभर के सभी शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ। मैं उन्हें बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ तथा उनके महनीय प्रयासों की सफलता की कामना करता हूँ।

**प्रणब मुखर्जी**

(प्रणब मुखर्जी)

नई दिल्ली

20 अगस्त, 2015



सत्यमेव जयते  
राष्ट्रपति  
भारत गणतंत्र  
PRESIDENT  
REPUBLIC OF INDIA

**MESSAGE**

Teachers' Day is a special occasion when we honour our teachers who are practitioners of one of the noblest professions and whose dharma is to impart wisdom.

Teachers mould the destiny of students and impart wisdom and learning to our future generations. Our tradition of Guru Shishya parampara calls upon teachers to impart their deepest knowledge to students and inculcate in them a sense of discipline, dedication and commitment to the service of our motherland.

An inspired teacher is value-oriented, mission-driven, self-motivated and result-oriented. He links the individual goals of students to national goals and enables them achieve their full potential.

Teaching as a profession must receive respect and recognition from society. Teachers must be made to feel that their contribution and devotion to students is appreciated. We must have an environment that fosters creativity and recognizes merit amongst teachers.

On this occasion, I express my gratitude to all teachers, across the length and breadth of our country. I extend my greetings and felicitations and wish them every success in their noble endeavours.

*Pranab Mukherjee*

(Pranab Mukherjee)

New Delhi  
August 20, 2015